

39571 करोड़ के निवेश से डिफेंस कॉरिडोर बना रक्षा विनिर्माण हब

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) द्वारा विकसित डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (यूपीडीआईसी) देश का सबसे बड़ा डिफेंस मैनुफैक्चरिंग इकोसिस्टम बनकर उभरा है, जहां 39571 करोड़ के निवेश प्रस्ताव भारत को रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं।

यूपीडा की नवीनतम प्रगति रिपोर्ट के अनुसार, कानपुर, झांसी, लखनऊ, अलीगढ़, आगरा और चित्रकूट सहित छह नोड्स में विकसित हो रहे इस कॉरिडोर के लिए अधिग्रहित 2095 हेक्टेयर भूमि में से 1141.79 हेक्टेयर जमीन उद्योगों को आवंटित की जा चुकी है।

यूपीडीआईसी के मुख्य महाप्रबंधक कर्नल संजय सिंह ने बताया कि अब तक 65 कंपनियों को रक्षा एवं संबद्ध विनिर्माण इकाइयों की स्थापना के लिए भूमि आवंटित की जा चुकी है। लगभग 13486 करोड़ की परियोजनाएं धरातल पर उतर चुकी हैं, जिनसे करीब 15300 प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की संभावना है।

निवेश के मामले में कानपुर नोड सबसे आगे है, जहां सर्वाधिक 12948 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इसके बाद झांसी (12190 करोड़), लखनऊ (4850.67 करोड़), अलीगढ़ (4581 करोड़), चित्रकूट (4392



13486 करोड़ की परियोजनाएं धरातल पर, नौ इकाइयां संचालित

कानपुर, झांसी और लखनऊ निवेश में अग्रणी

करोड़) और आगरा (607 करोड़) का स्थान है। कानपुर, लखनऊ और अलीगढ़ में तीन-तीन फैक्ट्रियों सहित कुल नौ विनिर्माण इकाइयों में व्यावसायिक उत्पादन भी शुरू हो चुका है।

कॉरिडोर की प्रमुख उपलब्धियों में अडाणी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज लिमिटेड द्वारा कानपुर में 1500 करोड़ के निवेश से स्थापित देश के सबसे बड़े गोला-बारूद (अम्यूनिशन) निर्माण संयंत्र में व्यावसायिक उत्पादन शुरू हो गया है।

लखनऊ में एरोलॉय टेक्नोलॉजीज ने 320 करोड़ के निवेश से टाइटेनियम कास्टिंग का उत्पादन शुरू किया है। वहीं ब्रह्मोस एयरोस्पेस ने 300 करोड़ की लागत से स्थापित अपनी इकाई में ब्रह्मोस एनजी मिसाइल प्रणाली के उत्पादन एवं असेंबली शुरू कर दी है।